

4. वरिष्ठ जिला पंजीयक, जिला भोपाल को सूचनार्थ एवं संबंधित क्षेत्र के उप पंजीयक, जिला भोपाल की ओर कलेक्टर, जिला भोपाल के पत्र के तारतम्य में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु। इस पत्र के साथ संलग्न मानचित्र कार्यालय की वेबसाइट www.emptownplan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
5. अनुविभागीय अधिकारी/तहसीलदार, तहसील हजूर (संबंधित वृत्त), जिला भोपाल की ओर इस लेख के साथ प्रेषित है कि, इस अनुज्ञा को संबंधित राजस्व निरीक्षक/पटवारी के 'ग्रंथ रिकार्ड' के कॉलम 12 में 'नगर तथा ग्राम निवेश' द्वारा इस खसरे का ले-आउट स्वीकृत हो गया है। इसकी टीप अंकित किये जाने बावत् नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। इस पत्र के साथ संलग्न मानचित्र कार्यालय की वेबसाइट www.emptownplan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
6. खनिज अधिकारी, जिला भोपाल को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु। इस पत्र के साथ संलग्न मानचित्र कार्यालय की वेबसाइट www.emptownplan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
7. सर्वेक्षक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला भोपाल। इस पत्र के साथ संलग्न मानचित्र कार्यालय की वेबसाइट www.emptownplan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

संयुक्त संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश,
जिला भोपाल



(Signature)

संयुक्त संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश,
जिला भोपाल

(Signature)
18 MAY 2017
M. K. Choudhary
ADVOCATE, BHOPAL

Signature valid

Digitally signed by M. K. Choudhary
Date: 2017.05.18 14:47:19 IST

PHOTO
27 MAY 2017

--5--

27. अनुमोदित मानचित्र की सत्यापित प्रति मय आदेश के स्थल पर विकास कार्य के दौरान रखना अनिवार्य होगा।
28. संलग्न अभिन्यास में प्ररनाधीन स्थल की सीमा तक दर्शाये गये मार्गों की निरंतरता सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य होगा। अतः स्थल पर स्थित मार्गों को गेट अथवा बाउण्ड्रीवाल से अवरुद्ध नहीं किया जाये। इसे मान्य नहीं किया जावेगा।
29. स्थल पर अनुमोदन संबंधी जानकारी एक 1.50 X 1.25 मीटर साइज के बोर्ड पर भी अंकित करना अनिवार्य होगा। व इसे स्थल पर ऐसे स्थान पर प्रदर्शित किया जावे जा कि आमजन सुगमता से पढ़ सकें।
30. इलेक्ट्रिक लाईन के बिंदु स्थित भू-खण्ड मान्य नहीं होंगे। इन पर भवन अनुज्ञा न दी जावे।
31. यह अनुमति आवेदक द्वारा इस कार्यालय में प्रस्तुत शपथ पत्र में उल्लेखित वर्जन के आधार पर दी जा रही है कि शपथकर्ता इस भूमि का भू-स्वामी अथवा मुख्तार आम जो उसका वैधानिक कर्ताधर्ता है। साथ ही इस अनुमति का उपयोग वैसा ही किया जावेगा जैसा कि अनुमति है व जैसा कि अनुमति की उल्लेखित शर्तों में उल्लेख है।
32. विभिन्न नगरिक सुविधाओं (सर्विसेस) हेतु मानचित्र में जो जगह प्रस्तावित की गई है। उनमें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, ऑक्सीजन टैंक, गारबेज डि-पोजिट एवं परिसर का स्वच्छ इकट्ठा कर उसका निष्कासन किया जावे।
33. निमागकर्ता को यह ध्यायता होगी कि वह समुचित पेयजल, अथवा जल मय निमाग प्रणाली का विकास हरेक क्षेत्रों का विकास एवं भूक्षारोपण इत्यादि विकास कार्य को समय पर प्रारंभ करे।
34. भूमि पर विकास कार्य इस प्रकार किया जावे कि भवन के भवनगत कचरा प्रणाली में जल मय निमाग प्रणाली में बाहरी आवरण एवं समुचित कचरा स्थान प्रयुक्त की जावे। इससे किसी भी शर्त को उल्लंघन करने पर यह अनुज्ञा भंग जावेगी। भूमि विकास कार्य को रोक कर दो जावेगा।

संयुक्त संचालक

नगर तथा ग्राम निवेश

जिला भोपाल - सीहोर - रायसेन म.प्र.

क्रमांक BPLLP- 1895/LP-143/29(3)/न.ग.नि. जिला भोपाल दिनांक 03/02/2016
प्रतिनिधि:-

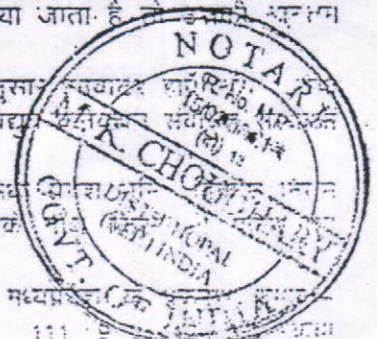
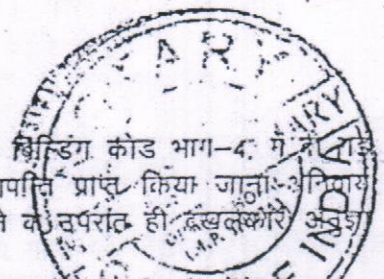
1. रजिस्टार, माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, सेक्टर जाँच (SEP) 2017 को और प्रकरण क्रमांक-21/2011 में दिनांक 17.12.15 को जारी आदेश के पालन में कृपया सूचनाएं।
2. आवृत्त एवं सक्षम प्राधिकारी कालोनी सेक्टर, संयुक्त विडकी प्रणाली, निमाग निकाय भोपाल का सूचनाएं। इस पत्र के साथ संलग्न मानचित्र कार्यालय की वेबसाइट emtownplan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
3. उपमहाप्रबंधक, कार्यभारन पंजी, मध्य प्रदेश तथा क्षेत्र विद्युत वितरण दिनांक 02.02.2016 को जारी है। इस पत्र के साथ संलग्न मानचित्र कार्यालय की वेबसाइट www.emtownplan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

Manesh Kumar Choudhary
Advocate Bhopal

Digitally signed by Shivkanti Mudgal

Date: 02.02.2016 10:10:10

12. मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम 2012 के नियम 42(3) के अनुरूप नेशनल बिल्डिंग कोड भाग-4 में दिये गये अनुशंसा के अनुरूप अग्निशमन व्यवस्था कर अग्नि प्राधिकारी से अनापत्ति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। अग्निशमन संबंधी उपायों की नियमानुसार व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपरान्त ही अग्निशमन पत्र जारी किया जाये।
13. यह अनुज्ञा अहस्तांतरणीय होगी तथा अनुज्ञप्त उपयोग के अतिरिक्त अन्य उपयोग में नहीं होगी।
14. किसी भी प्रकार का ठोस अपशिष्ट, परिसर के आसपास भूमि पर फेंकना/फैलाना प्रोhibited रहेगा।
15. प्रस्तावित भूमि/भूखण्डों पर जारी की जाने वाली भवन अनुज्ञा की प्रति 15 दिवस के भीतर इस कार्यालय को भी अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।
16. भवन और उसके चारों ओर के खुले स्थानों को जाने वाला पहुंच मार्ग 6 मीटर चौड़ा होगा और उसका अभियन्ता सरकार द्वारा अनुमोदित किए गए अनुसार शहर के अग्निशमन प्राधिकारी के परामर्श से प्रस्तावित किया जाएगा और उसकी सतह आवश्यकतानुसार सख्त होगी जो 18 टन के दमकल (फायर इंजिन) का भार सहन करने योग्य हो। उक्त खुली जगह बाधाओं से मुक्त रखी जाएगी और व मोटर के आने जाने योग्य होना आवश्यक होगी।
17. दमकल (फायर इंजिन) तक सुगम पहुंच अनुज्ञात करने के लिए भूखण्ड के मुख्य प्रवेश की चौड़ाई पर्याप्त होगी और जो किसी भी स्थिति में 4.5 मीटर से कम न हो। प्रवेश द्वार फाटक भीतर की ओर की अहाता दीवार के सामने उस प्रकार खुलने चाहिए कि अग्निशमन सेवा यानों के संचालन के लिए भूखण्ड में बाधा न पड़े। मार्ग निर्बंध हो यदि मुख्य प्रवेश मार्ग उदाहरण के लिए पर बनाया जाता है तो उसकी चौड़ाई भूखण्ड की चौड़ाई के 4.5 मीटर रखनी होगी।
18. मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम 2012 के नियम 42 (3) के प्रावधानों के अनुसार भूखण्ड पर विद्युत लाइनें की प्रविष्टि अप्रामाण्य होगी। उसके पश्चात् ही भूखण्ड पर विद्युत लाइनें की प्रविष्टि दी जा सकती है।
19. नगरपालिका पर एम्बेस्ड हाईवे/नगर हाईवे/राष्ट्रीय हाईवे (एम्बेस्ड हाईवे) से भवन निर्माण 2012 के नियमानुसार निर्धारित मूल नगर निकास योजना के अनुसार करना होगा। उसकी विधायन विधायन कार्य मान्य नहीं होगी।
20. अनुविभागाध्यक्ष, अधीकारी नगरपालिका द्वारा जिलाधिकारी जिला भाषात मध्य प्रदेश के नगरपालिका 168 की-121/12-13 द्वारा प्रदत्त अनापत्ति खसरा क्रमांक- 111/5 पर 0.660 हेक्टेयर एवं 0.160 हेक्टेयर कुल रकबा 0.820 हेक्टेयर में से 8508.50 वर्गमीटर पर अनुज्ञा प्रदान की जा रही है। खसरा क्रमांक 111/5 पर मौक पर सस्ता निर्मित है। अतः खसरा क्रमांक 111/5 पर मांग प्रस्तावित किया गया है। 168/की-121/12-13 दिनांक 03.01.2013 द्वारा जारी अनापत्ति की समस्त शर्तों का पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
21. नियमानुसार बाह्य विकास लागत राशि पर्यवेक्षक कीस संबंधित नगर निगम में जमा करनी होगी तथा कालांजी का विकास उनके द्वारा निर्धारित मानकों एवं शर्तों आधार पर पूर्ण करना होगा विकास पूर्णता का प्रमाण पत्र इस कार्यालय से भी अनिवार्य प्राप्त करना होगा। जो कि अंतिम अनुज्ञा होगी।
22. संस्था/आपके द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति/वतान में किसी भी प्रकार की विसंगति होने पर उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी ही होगी।
23. प्रस्तावित अभिन्यास के आस पास लगने वाले भूमि की सीमाओं पर निर्मित एवं प्रस्तावित अनुमोदित मार्ग की निरंतरता सुनिश्चित रखी जाये एवं भूखण्डों का समायोजन किया जाये।
24. मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 33 के प्रावधानों के अनुरूप अनुज्ञा जारी होने के दिनांक से तीन वर्ष तक की कालावधि तक प्रवर्तनीय होगी।
25. जल-मल निकासी की व्यवस्था निर्धारित मापदण्डों के अनुसार की जायेगी।
26. इस अनुज्ञा को भूमि स्वामित्व का प्रस्ताव/पत्र/पंजीयन जारी किया जायेगा जो कि किसी भी प्रकार के भवन निर्माण के अनापत्ति पत्र की दिवस मानी जायेगी।



Signature valid

Digitally signed by Shrikant Madgal

Date: 2017.09.18 14:23:45

NOTARY PUBLIC, R.K. CHOUDHARY, JABALPUR, M.P.

18 SEP 2017

-

सिपायों को अविश्वसनीय मानते हैं। निर्यात प्रवृत्ति के संबंध में आवश्यक होगा। तथापि अत्यंत उपचारप्रणाली के माध्यम से कृषि क्षेत्र को नुकसान न हो सके। नतीजतन निर्यात प्रवृत्ति के निष्कर्ष प्राप्त प्रतिक्रिया होगी।

मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम 2012 के नियम 67 के प्रावधानों के अनुसार स्थल पर वृक्षारोपण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही मध्य प्रदेश शासन के आदेश अनुसार 15 वृक्ष प्रति हेक्टेयर क्षेत्रफल के मान से अतिरिक्त वृक्षारोपण किया जाना अनिवार्य होगा स्थल पर उपरोक्त मान के अनुसार वृक्षारोपण कर दिया हो यह सुनिश्चित किया जाने के परभाव ही भवन अनुज्ञा नगर पालिका ग्निदपुर प्रविधि तथा इस को जाये।

Digitally signed by Shrikant Munde

भारत सगिश्चित किया जाने आवश्यक होगा।

Digitally signed by Shivkani Mudgal

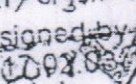
PHOTOGRAPHY

27 MAY 2017

- 2-

 3. संबंधित संस्था/संबंधित स्थानीय संस्था भोपाल को मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम 2012 के नियम 31 तथा इस अनुज्ञा की शर्तों एवं अन्य समस्त प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना एवं बंधनकारी होगा।
 4. प्रस्तावित अभिन्यास में सामान्य श्रेणी की कुल 360 इकाईयाँ प्रस्तावित है एवं प्रस्तावित कमजोर आय वर्ग के लिये मध्य प्रदेश नगर पालिका (कालोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्वन्धन तथा शर्तों) नियम, 1998 के नियम 10 (2) अनुसार मध्य प्रदेश राजपत्र दिनांक 19.4.2012 में उल्लेखित प्रावधानानुसार ई.डब्ल्यू.एस. हेतु 25 वर्ग मी. की 30 आवासीय इकाईयाँ एवं एस.आई.जी. हेतु 36 वर्ग मी. की 20 आवासीय इकाईयाँ का प्रावधान किया गया है। इस संबंध में कालोनाईजर नियम 1998 के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने का एवम अर्थ है। इसका अनुपालन सुनिश्चित करने के उपरान्त ही नियमानुसार विकास अनुमति प्रदान की जाये।
 5. संस्था द्वारा दिये गये शपथ पत्र अनुसार केवल निम्न घनत्व इकाईयाँ के निर्माण हेतु स्वीकृति दी जा रही है इसके अतिरिक्त अन्य इकाईयां मान्य नहीं होगी।
 6. भूमि के उत्तर एवं पूर्व दिशा स्थित प्रस्तावित मार्ग को मानचित्र में दर्शाये अनुसार भूमि मार्ग, विस्तार हेतु छोड़ना आवश्यक होगा।
 7. भवन का भूतल निर्मित क्षेत्र 30 प्रतिशत अधिकतम मान्य होगा।
 8. भवन में संलग्न मानचित्र में दर्शाए अनुसार एम ओ एस रखे जायें।
 9. भूमिजला भवन में लगने से 9.00 मीटर, पीछे से 7.5 मीटर (न्यूनतम), दायाँ से 7.5 मीटर (न्यूनतम) और बायाँ से 7.5 मीटर (न्यूनतम)।
 10. एम ओ एस 1:125 (एक अनुपात एक दर्शाए) के बराबर अधिकतम तथा मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 के अनुसार मार्ग 20.0 मीटर से चौड़ाई पर्याप्त।
 11. शर्तिका :- यह इकाई आवास हेतु एक ई.डब्ल्यू.एस. 30 वर्ग मी. निर्मित क्षेत्र की दर से 187 वर्ग मी. व्यवस्था करना होगा, जो कि मानचित्र में दर्शाए अनुसार पोटियम में 153 तथा खुला क्षेत्र 34 वर्ग मी. पोटियम से अनुसर किया जायें।
 12. भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल के पत्र क्रमांक-289/02/आ.वि.प./16 दिनांक 16/06/2014 जारी।
 13. द्वारा जारी अभिप्राय में उल्लेखित समस्त शर्तों का पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
 14. पूर्व स्वीकृत अनुमोदन पत्र क्रमांक-1014/सम.प. 93 29(1)/न.ग्र.नि.प. दिनांक 16/06/2014 द्वारा स्वीकृत अनुज्ञा का मानचित्र स्वयंसेव निरूपित किया जायें।
 15. स्थल पर विद्यमान वृक्षों को यथावत रखना होगा।
 16. मार्गों का पूर्ण विकास, विद्युत प्रदाय (स्ट्रीट लाइट), जल प्रदाय और हंड पंप, सीक्रेटरी के विकास, खुले क्षेत्रों तथा मार्गों का एक किन्नासा जलसंचयन टॉस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं/अधोसंरचना का विकास नियमानुसार किया जाना अनिवार्य होगा। सर्वश्रेष्ठ की निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायें।
 17. स्थल पर स्थित कलियासोत नदी के किनारे विकास योजना के प्रावधानों के अनुसार न्यूनतम 33.00 मीटर चौड़ा खुला क्षेत्र (हरित नदी) छोड़ना आवश्यक होगा।
 18. पूर्व में जारी पत्र क्रमांक- 1019/एन.प. 93 29(1)/न.ग्र.नि.प./2014 भोपाल, दिनांक 16/06/2014 द्वारा जारी अभिन्यास अनुमोदन पत्र उल्लेखित शर्तें निम्नलिखित यथावत रहेंगी।

निम्न लिखित अधिनियम/नियम/तकम अधिकांशों तथा संस्था के अधिकारियों तथा संस्था के अधिकारियों द्वारा स्वीकृत किया गया है।

Digitally signed by  Shrikanth Mudgal
DN: cn=Shrikanth Mudgal, o=Shrikanth Mudgal, email=shrikanth.mudgal@gmail.com, c=IN

27 SEP 2017

